ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, रविवार 23 जून 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 113

12वें बच्चे के पिता बने इलॉन मस्क:पार्टनर और न्यूरोलिंक मैनेजर शिवॉन जिलिस से हुआ तीसरा बच्चा; मस्क ज्यादा बच्चे पैदा करने के हिमायती

24 न्यूज अपडेट

स्पेस-X और टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क इस साल की शुरुआत में 12 वें बच्चे के पिता बन गए हैं। ये दावा मीडिया हाउस ब्लूमबर्ग ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये बच्चा उनकी पार्टनर और न्यूरालिंक की मैनेजर शिवॉन जिलिसल से हुआ है। बच्चे का जन्म साल की शुरुआत में हुआ था। मस्क ने जानकारी को सीक्रेट रखा था।

अब तक मस्क और शिवॉन ने इस बारे में कोई भी जानकारी साझा नहीं की है। इससे पहले दोनों के 2022 में जुड़वा बच्चे हुए थे। इनके अलावा मस्क के 8 बच्चों में से 5 उनकी पहली पत्नी राइटर जस्टिन मस्क के साथ, तीन संगीतकार ग्रिम्स से हुए।

मस्क का मानना है कि दुनिया इस समय कम जनसंख्या के संकट का सामना कर रही है और अच्छे IQ वाले लोगों को बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने 2021 में कहा था कि अगर लोग ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेंगे, तो हमारी सभ्यता खत्म हो जाएगी।

मस्क ने जिलिस से बच्चे पैदा करने के लिए कहा था

इलॉन मस्क की ऑटोबायोग्राफी लिखने वाले राइटर वाल्टर इसाकसन ने लिखा कि मस्क ने न्यूरालिंक की मैनेजर शिवॉन जिलिस को बच्चे पैदा करने के लिए कहा था। बाद में खुद शुक्राणु दाता बनने की पेशकश की थी।

इससे 15 दिन पहले अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया था कि मस्क ने महिला एम्प्लॉईज पर अपने बच्चे पैदा करने का दबाव डाला था। मामले में तीन महिलाएं सामने आई थी, जिनमें से दो ने दावा किया था कि मस्क और उनके बीच यौन संबंध थे। एक महिला ने बताया कि मस्क ने उससे कई बार अपने बच्चे पैदा करने को लेकर बात की थी। इन महिलाओं में से एक स्पेस-X में इंटर्न थी।

महिला एम्प्लॉईज का आरोप- बच्चे पैदा करने को कहा, मना करने पर स्पेस-X ने नहीं दी सैलरी

महिलाओं ने बताया था कि जब उन्होंने मस्क से बच्चे करने को मना किया तो उन्हें सैलरी देने से मना कर दिया गया। इतना ही नहीं, जानबूझकर उनकी परफॉर्मेंस भी खराब की गई थी।

उधर, इलॉन मस्क के वकीलों ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को खारिज किया था। उनका कहना था कि यह रिपोर्ट फर्जी है और इसमें झूठे आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा स्पेस-X की प्रेसिडेंट ग्वेने शॉटवेल ने भी आरोपों को गलत बताया है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने IED ब्लास्ट से पुलिस ट्रक उड़ाया

2 जवान शहीद, बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर हमला; 6 माह में 7 की शहादत

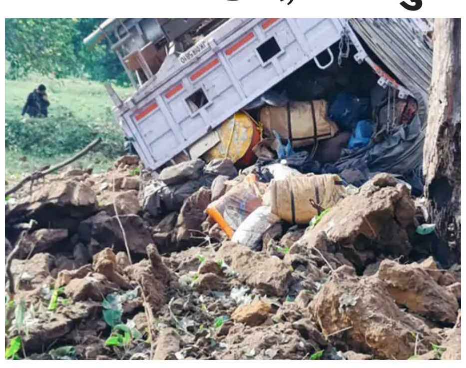

24 न्यूज अपडेट

सुकमा/बीजापुर. छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर बॉर्डर पर रविवार को नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। सिलगेर और टेकलगुडम के बीच नक्सलियों ने पुलिस फोर्स के ट्रक को IED ब्लास्ट कर उड़ा दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस ब्लास्ट में दो जवान शहीद हो गए।

जानकारी के अनुसार, जगरगुंडा क्षेत्र स्थित सिलगेर कैंप से 201 कोबरा वाहिनी के जवानों का मूवमेंट ROP (रोड ओपनिंग ड्यूटी) के दौरान ट्रक और बाइक से टेकलगुडेम की ओर था। वहां रास्ते में नक्सलियों ने IED प्लांट कर रखा था। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 3 बजे जैसे ही जवानों से भरा ट्रक वहां से निकला, IED की चपेट में आ गया। ब्लास्ट के चलते ट्रक का चालक जवान विष्णु आर और सह चालक जवान शैलेंद्र शहीद हो गए। बाकी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये जवान राशन लेकर जवान कैंप जा रहे थे। टेकलगुडम और इससे आगे का पूर्वी इलाका नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का गढ़ है। कुछ ही महीने पहले यहां सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित किया गया है।

मायावती ने भतीजे आकाश को फिर उत्तराधिकारी बनाया:नेशनल कोऑर्डिनेटर भी बने; 47 दिन पहले पद से हटाकर कहा था- मैच्योर नहीं हैं

24 न्यूज अपडेट

लखनऊ. बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को फिर से अपना उत्तराधिकारी बना दिया। साथ ही नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी भी सौंप दी। आकाश अब पूरे देश में पार्टी का काम देखेंगे। रविवार (23 जून) को बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती ने इसका ऐलान किया।

आकाश भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने मायावती के पैर छुए तो उन्होंने सिर पर हाथ रखा। फिर पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया। मायावती ने लोकसभा चुनाव के बीच 7 मई यानी 47 दिन पहले आकाश को अपरिपक्व (इम्मैच्योर) बताते हुए पार्टी के सभी अहम पदों से हटा दिया था।

बसपा प्रमुख ने कहा- आकाश मेरे एकमात्र उत्तराधिकारी रहेंगे। मुझे उम्मीद है कि अब वह परिपक्वव नेता के रूप में जरूर उभरेंगे। पार्टी के लोग भी इनका हौसला बढ़ाएंगे, ताकि आकाश आगे चलकर मेरी उम्मीदों पर खरा उतरें। लोकसभा चुनाव में हार के बाद मायावती ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पहली बैठक बुलाई। यह 3 घंटे तक चली। मायावती ने इसमें उप-चुनाव समेत आगामी सभी चुनाव लड़ने की बात भी कही। यानी अब यूपी विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उप-चुनाव पर भी पार्टी अपने प्रत्याशी उतारेगी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में हो रहा संविधान का अपमान

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान की सबसे बड़ी राजस्थान यूनिवर्सिटी में 4 दिन पहले उद्घाटन हुए संविधान पार्क में संविधान का मजाक बन रहा है। क्योंकि यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा संविधान स्तंभ पर गलत संविधान को अंकित कर दिया गया है। जिसके बाद अब छात्र नेताओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दरअसल, राजस्थान यूनिवर्सिटी में 3 करोड रुपए की लागत से संविधान पार्क का निर्माण किया गया था। इसी महीने की 19 जून को राज्यपाल कलराज मिश्र ने संविधान पार्क का उद्घाटन किया था। जहां संविधान स्तंभ पर संविधान के 22 भागों को उल्लेखित किया गया है। जिसमें बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। संविधान स्तंभ पर संविधान के भाग 17 में (343 - 351) ऑफिशल लैंग्वेज ऑफ़ यूनियन ऑफ़ स्टेट है। जबकि संविधान के भाग 18 में (352 - 360) में आपातकालीन उपबंध का उल्लेख किया गया है। लेकिन यूनिवर्सिटी के संविधान पार्क में संविधान के भाग 17 में ही आपातकालीन उपबंध लिख दिया गया है। जिसको लेकर राजतक्षण यूनिवर्सिटी के छात्रों ने विरोध शुरू कर दिया है।

बजरंग पूनिया दो महीने में दूसरी बार सस्पेंड

एंटी-डोपिंग एजेंसी ने सैंपल नहीं देने की वजह से नोटिस दिया, 11 जुलाई तक जवाब मांगा

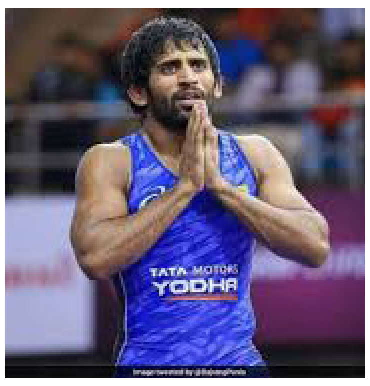

24 न्यूज अपडेट

स्पोर्ट्स डेस्क. नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (NADA) ने पहलवान बजरंग पूनिया को सस्पेंड कर दिया है और साथ ही नोटिस भी भेजा है। बजरंग पूनिया ने मार्च में सोनीपत में हुए नेशनल ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल नहीं दिया था, जिसके बाद NADA ने यह एक्शन लिया है। नोटिस के खिलाफ जवाब देने के लिए बजरंग पूनिया के पास 11 जुलाई तक का समय है।

इससे पहले, 5 मई को भी NADA ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। जब पिछली बार NADA ने बजरंग को निलंबित किया था, तो उनका निलंबन तीन हफ्ते बाद एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल ने रद्द कर दिया था, क्योंकि उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया था। अब NADA ने निलंबन के साथ-साथ बजरंग पूनिया को नोटिस भी जारी किया है।

10 मार्च को ओलिंपिक गेम्स में हिस्सा लेने के लिए हुए एशियन क्वालिफायर्स के नेशनल ट्रायल्स के दौरान NADA ने बजरंग से सैंपल देने के लिए कहा था। लेकिन, बजरंग ने सैंपल देने से इनकार कर दिया। बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे

पहलवानों ने WFI के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर महिला रेसलर्स के यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसको लेकर बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक की अगुआई में आंदोलन हुआ। पहलवानों ने पहले जंतर-मंतर पर धरना दिया। इसके बाद उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए और दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण पर केस दर्ज किया।

इस मामले की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी दौरान WFI के चुनाव हुए तो बृजभूषण के करीबी संजय सिंह चुनाव जीत गए। जिसके बाद बजरंग के अलावा विनेश फोगाट ने भी अपने अवॉर्ड लौटा दिए। वहीं साक्षी मलिक ने कुश्ती से ही संन्यास ले लिया।

गोल्डन टेंपल में योग करना महंगा पड़ा, युवती पर FIR SGPC ने कहा- धार्मिक भावनाएं आहत कीं; इन्फ्लुएंसर को गुजरात पुलिस ने बिना मांगे सिक्योरिटी दी

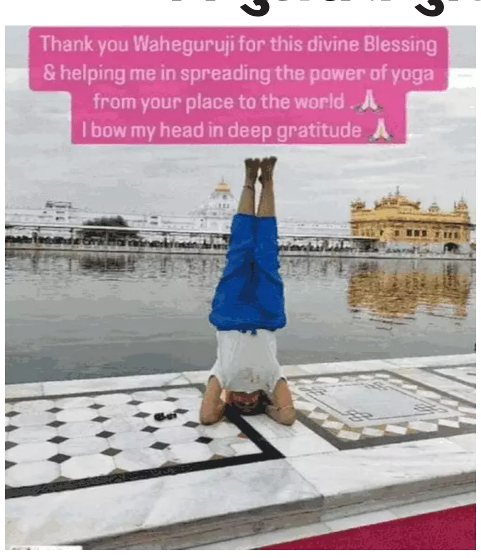

24 न्यूज अपडेट

अमृतसर. 21 जून यानी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में योगासन करने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चना मकवाना के खिलाफ FIR हो गई है। यह शिकायत गोल्डन टेंपल के मैनेजर भगवंत सिंह ने की। अर्चना के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने को लेकर धारा 295-A के तहत मामला दर्ज हुआ है।

गुजरात की रहने वाली इन्फ्लुएंसर अर्चना मकवाना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर गोल्डन टेंपल में योग करते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसके बाद ये फोटो वायरल हो गए। इसका पता चलते ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) ने कड़ा ऐतराज जताया।

उन्होंने गोल्डन टेंपल की परिक्रमा ड्यूटी वाले 3 कर्मचारियों को सस्पेंड करते हुए जांच के आदेश दे दिए। वहीं, अर्चना मकवाना के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को भी शिकायत दी। हालांकि, लोगों की नाराजगी का पता चलने पर अर्चना ने माफी मांग ली है, लेकिन फिर भी उन पर FIR दर्ज की गई है।

वहीं अर्चना मकवाना ने एक नया वीडियो जारी कर कहा कि उन्हें वड़ोदरा क्राइम ब्रांच से पुलिस प्रोटेक्शन दी गई है। मैंने इसके लिए अप्लाई भी नहीं किया था। उसने पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि मैं ठीक हूं और गुजरात सरकार का धन्यवाद करती हूं।

संपादकीय : सबसे ऊपर लोकहित

दसवीं सदी के उत्तरार्ध में साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद से मुक्त हुए अधिकांश देशों ने शासन के लिए लोकतंत्र को अपनाया और उसके सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से व्यवस्था में लागू करने का प्रयास भी किया। मगर इसमें सभी सफल नहीं हो सके, तानाशाही, सैनिक बी शासन तथा चयनित व्यक्तियों का स्वार्थ इसमें आड़े आया। भारत ने जिस ढंग से लोकतंत्र का संचालन किया, उसकी विश्व में हर स्तर पर प्रशंसा हुई, और हो रही है। निश्चित रूप से इसका श्रेय भारत के प्रारंभिक वर्षों के नेतृत्व को दिया जाना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद सत्ता उन लोगों के हाथों में आई थी, जो गांधीजी के नेतृत्व में उभरे थे, उनके दर्शन और सिद्धांतों से परिचित थे, अपने त्याग तपस्या तथा देश-प्रेम के लिए जाने जाते थे। लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदाताओं का सदैव सतर्क और सजग बने रहना आवश्यक है। लोकतंत्र का व्यावहारिक स्वरूप उसके नेतृत्व की क्षमताओं से ही नहीं, उसकी अपनी आकांक्षाओं के आधार पर भी सफल या विफल साबित होता है, कई बार नए-नए अवतार लेता रहता है। भारत अनेक देशों के लिए सामान्य परिस्थितियों में अनुकरणीय उदाहरण नहीं बन सका, क्योंकि यहां लोकतंत्र की स्थापना अत्यंत कठिन परिस्थितियों में हुई थी। विभाजन की जो विभीषिका भारत ने झेली, वैसा विश्व में कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। इसके अलावा यहां गरीबी, निरक्षरता, विविधिताएं, मान्यताएं और पांथिक मतभेद अनेक प्रकार के व्यवधान उत्पन्न करते रहे। यह सही है कि भारत के पास एक अत्यंत परिपक्व सामूहिक नेतृत्व उपलब्ध था, जिसने गांधीजी के साथ रहकर त्याग और तपस्या के महत्त्व को न केवल समझा और स्वीकार किया था, बल्कि उसे अपने जीवन में पूरी तरह उतार भी लिया था। उस समय के महत्त्वपूर्ण लोगों के पास संपत्ति या उसे संचय करने के किसी प्रयास की चर्चा शायद ही कभी हुई हो। समाज में समानता, समता और सामाजिक समरसता स्थापित करने में भारतीय संविधान ने अभूतपूर्व योगदान किया है। यह अपनी गतिशीलता के लिए भी सराहा जाता रहेगा। इसमें सवा सौ से अधिक संशोधन हो चुके हैं, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि इसमे संसद भी ऐसे परिवर्तन नहीं कर सकती, जो इसकी मूल भावना के विपरीत हो। यह राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था का ही नहीं, चयनित प्रतिनिधियों का भी उत्तरदायित्व है कि वे संविधान की मूल भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं, ताकि सब इसके संरक्षण का उत्तरदायित्व निभाएं। ऐसा कर सकने में वे तभी सफल हो सकेंगे, जब उनका अपना आचरण भी संविधान-सम्मत और अनुकरणीय हो। हर स्तर पर वैचारिक स्पष्टता, वस्तुनिष्ठता और निर्मलता बनी रहे, इसके लिए भारत में प्राचीन समय से ही अनेक व्यवस्थाएं बनाई गई थीं, जिनमें विद्वत परिषद, सभा, संगोष्ठी, पंचायत आदि अपने सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक दायित्वों का निर्वाह करती रहीं। ढाई हजार साल से भी पहले वैशाली और वहां के लिच्छवी गणराज्य में जन प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाने की व्यवस्था थी। ऋग्वेद में 'गण' शब्द का उपयोग हुआ है, जिसका अर्थ 'संख्या द्वारा शासन' यानी गणराज्य, संघ या जनतंत्र से भी है। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति, उसकी आख्याओं तथा अनुभवों के आधार पर संविधान का अद्भुत आमुख बनाया, जो मनुष्यमात्र की समानता और समता को पूर्णरूपेण स्थापित करता है। लोकतंत्र के निष्पादन में कोई व्यवधान न आए तथा उच्च वैचारिक और विश्लेषणात्मक स्तर बने रहें, इसकी विशेष व्यवस्थाएं भी की गई थीं। संसद में राज्यसभा का गठन इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को उजागर करता है कि राष्ट्रीय आवश्यकताओं और समस्याओं पर संवाद का स्तर किस प्रकार ऊंचा और अनुकरणीय बना रहे। संविधान के अनुच्छेद 80 में राष्ट्रपति द्वारा बारह सदस्यों के नामांकन की जो व्यवस्था की गई है, वह विशेषज्ञता, अनुभव की महत्ता तथा आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाता है। ये सदस्य अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ, गहन अध्ययनशील तथा अपने सदाचरण से सदन की चर्चा का स्तर ऊंचा रखेंगे। जब देशहित के प्रश्न उभरेंगे, तब किसी भी दलगत लाभ की कोई अपेक्षा न रखते हुए ही सदस्य गण निर्णय ले सकेंगे। लोकहित ही लोकतंत्र में सर्वोपरि है। यह सिद्धांत किसी भी स्थिति में एक भी जन-प्रतिनिधि के ध्यान से नहीं उतरना चाहिए। हर वर्तमान पीढ़ी का सबसे पहला उत्तरदायित्व होता है कि वह भावी पीढ़ी को उसके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करे। उनके सामने अपना अनुकरणीय उदाहरण रखे। आज प्रचार माध्यमों ने विधानसभा तथा संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही के सीधा प्रसारण की व्यवस्था कर दी है। इसलिए किसी भी सभा में जन- प्रतिनिधियों की भागीदारी अपना विस्तृत प्रभाव अनगिनत लोगों पर डालती है। वहां प्रयुक्त भाषा, दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान रखते हुए अपना पक्ष रखना, शालीनता का स्तर बनाए रखना, सदन के समय के सदुपयोग का सदा ध्यान रखना तथा ऐसे ही अन्य पक्ष देशव्यापी प्रभाव डालने की क्षमता रखते हैं। हर स्तर पर जन- प्रतिनिधि अपने व्यक्तित्व तथा आचरण से भावी पीढ़ी को सजग और सतर्क बना सकते हैं। भारत के हर नागरिक को भी समझना होगा कि लोकतंत्र ही उनके मौलिक अधिकार दिला सकता है। मगर अधिकारों को पाने के पहले कर्तव्य निभाने होते हैं।

NEET-UG में गड़बड़ी, CBI ने पहली FIR दर्ज की:जांच के लिए दो टीम पटना-गोधरा जाएंगी; ग्रेस मार्क्स वाले 1563 छात्रों की परीक्षा खत्म

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. NEET-UG एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर एजुकेशन मिनिस्ट्री की शिकायत पर रविवार 23 जून को CBI ने पहली FIR दर्ज की। मिनिस्ट्री से मिले कुछ रेफरेंस के आधार पर अनजान लोगों के खिलाफ IPC के सेक्शन 120-B (क्रिमिनल कॉन्स्पिरेसी) और 420 (चीटिंग) समेत कई धाराओं में FIR दर्ज की गई।

जांच के लिए CBI ने दो स्पेशल टीम बनाई हैं, जो पटना और गोधरा जाएंगी। केंद्र सरकार ने 22 जून की रात जांच की जिम्मेदारी CBI को सौंपी थी। इससे पहले सरकार ने शनिवार रात 9 बजे NTA (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के डायरेक्टर जनरल सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया था। उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डीजी नियुक्त किया गया।

वहीं, 5 मई को हुई NEET परीक्षा के रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के लिए रविवार को रीएग्जाम हुआ। एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5:20 बजे के बीच शेड्यूल किया गया था। कई छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। चंडीगढ़ में सिर्फ दो कैंडिडेट्स के लिए एग्जाम सेंटर बनाया गया, दोनों ही नहीं पहुंचे।

उधर, NTA की वेबसाइट हैक होने की अफवाह भी सामने आई। इस पर एक अधिकारी ने कहा कि उनका पोर्टल पूरी तरह सुरक्षित है। NTA ने रीएग्जाम के एडमिट कार्ड 20 जून को जारी किए थे। रिजल्ट 30 जून तक जारी किया जाएगा। संशोधित रिजल्ट जारी होने के बाद काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी। 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई होगी।

अरुणाचल में बादल फटा, लैंडस्लाइड-बाढ़ : असम में 4 लाख लोग प्रभावित, 37 की मौत; MP समेत 11 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में रविवार सुबह 10.30 बजे बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर लैंड स्लाइड हुआ। लोगों को वहां न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, नेशनल हाइवे-415 पर जलभराव होने से कई वाहन फंसे हुए हैं। उधर, असम में करीब एक हफ्ते से बारिश हो रही है। सरकार के अधिकारियों ने 22 जून को बताया कि बाढ़ से 19 जिलों में करीब 4 लाख लोग प्रभावित हैं। इस साल बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों का आंकड़ा 37 हो गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सरकार ने 100 रिलीफ कैंप लगाए हैं। राहत सामग्री देने के लिए 125 सेंटर बनाए हैं। मौसम विभाग (IMD) ने आज मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें मध्य प्रदेश का मालवा इलाके के अलावा गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन मंत्रालयों और विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, NDMA के अधिकारी शामिल हुए।

मानसून 3 जुलाई तक दिल्ली-पंजाब को कवर करेगा

22 जून तक मानसून महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, गुजरात-महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल पहुंच चुका है। 3-4 दिन में इन राज्यों को पूरी तरह कवर कर लेगा। 27 जून तक मानसून दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में एंट्री ले सकता है और 3 जुलाई तक इन राज्यों को पूरी तरह कवर करके आगे बढ़ेगा। मानसून के साथ ही कुछ राज्यों में तेज गर्मी का दौर भी जारी है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में आज और कल लू चलने की संभावना है। पंजाब और दिल्ली में कल से 25 जून तक हीटवेव का अलर्ट है।

जयमल फत्ता तालाब में मृत मिली सैकड़ों मछलियां:पानी के खराब होने से नहीं मिला ऑक्सीजन, अधिकारियों ने लिया पानी का सैंपल

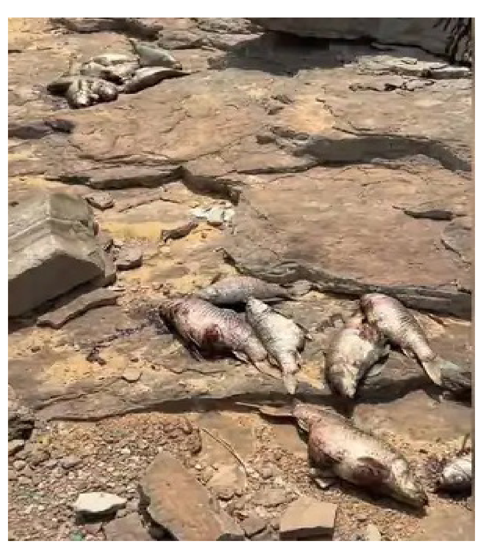

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़ दुर्ग पर जयमल फत्ता तालाब में रविवार को सैकड़ों मछलियां मरी हुई पाई गई। दुर्गवासी सुबह जब तालाब किनारे गए तो मछलियां मरी हुई मिलीं। सभी ने मृत मछलियों को बाहर निकाला और इसकी जानकारी प्रशासन को दी। मौके पर मत्स्य विभाग, एएसआई विभाग से गार्ड इंचार्ज और नगर परिषद की टीम पहुंची। तालाब के पानी का सैंपल लिया गया। प्रारंभिक तौर पर पानी का खराब होने और मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलना मौत का कारण सामने आया है।

जिला कलेक्टर आलोक रंजन के निर्देश पर मौके पर मत्स्य विभाग के अधिकारी, नगर परिषद के कर्मचारी और पुरातत्व विभाग के गार्ड इंचार्ज मौके पर पहुंचे। मृत मछलियों को नगर परिषद की गाड़ी में डालकर यार्ड में ले जाकर डंप करेंगे।

तालाबों में बढ़ती गंदगी से हो रही प्रॉब्लम

दुर्ग वासी पवन नाथ ने बताया कि हर साल पहली बरसात आने के बाद मछलियां मरती हैं लेकिन इतनी तादात में पहली बार मछलियां मरी हैं। पास में पार्किंग एरिया होने और तालाब के पास गाड़ियां धोने से उसके ग्रीस का पानी तालाब में जाता है। इसके अलावा तालाबों में लोग प्लास्टिक और अन्य गंदगी भी डाल देते हैं जिसके कारण मछलियों को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है।

पानी का लिया गया सैंपल

वहीं, गार्ड इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि पहली बारिश होने के बाद अक्सर मछलियां मर जाती हैं। बारिश का ठंडा पानी, गर्म पानी पर जाता है तो मछलियों में ऑक्सीजन सप्लाई बंद हो जाता है। लेकिन तालाबों में बढ़ती गंदगी भी इसका एक कारण है। पानी का सैंपल ले लिया गया। इसकी जांच की जाएगी।

हर भर्ती की जांच के आदेश:सीईओ ने ग्राम विकास अधिकारी भर्ती 2021 की जांच के लिए बनाई कमेटी, शिक्षा विभाग को भी दिए आदेश

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. रीट 2022 शिक्षक भर्ती में डमी कैंडिडेट का बड़ा खुलासा बांसवाड़ा से होने के बाद अब हर भर्ती सवालों के घेरे में आ गई है। जिस तरह से रोज नए मामले सामने आ रहे हैं उसे देखते हुए जिला परिषद सीईओ वृद्धिचंद गर्ग ने ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती 2021 की जांच के लिए कमेटी बना दी है। इस कमेटी में लेखाधिकारी हरिप्रसाद गुप्ता, वरिष्ठ विधि अधिकारी विनीत पंड्या, प्रगति प्रसार अधिकारी आशीष सैकड़ा, राहुल कुमार बंसल और सहायक प्रशासनिक अधिकारी दीपक दवे को शामिल किया गया है। इसके अलावा सीईओ गर्ग ने डीईओ प्रारंभिक को आदेश जारी किए हैं कि पिछले 5 साल में भर्ती कैंडिडेट के दस्तावेज की जांच करें। कर्मचारियों के शैक्षणिक पात्रता के दस्तावेज, आवेदन के समय पेश आवेदन पत्र, फोटो और साइन की जांच के लिए कमेटी का गठन कर लें। अगर कोई सूचना संदिग्ध होती है तो उसकी रिपोर्ट एसओजी को दी जाए।

राज्य सरकार ने हर भर्ती के लिए दिए आदेश राज्य सरकार ने भी गत 6 जून को हर विभाग में पिछले 5 सालों में हुई भर्ती की जांच के आदेश दिए थे। जिसमें फर्जी डिग्री के साथ डमी कैंडिडेट की जांच के लिए प्रमुख शासन सचिव हेमंत गेरा ने आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के बाद भी कई विभागों ने जांच शुरू नहीं की है।

सृजन टीम ने मेहरों का गुड़ा में बच्चों को पहनाई चरण पादुकाएं

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। हर बार की तरह इस रविवार भी टीम सृजन ने अपना सेवा का कार्य सर्वोपरि रखा। आज का कार्यक्रम टीम के सदस्य विक्रम जी के जन्मदिन के उपलक्ष में रखा गया। कार्यक्रम मेहरो का गुड़ा में रखा गया जहाँ पर छोटे बच्चों को इक्कठा कर उन्हें कचोरी, बिस्कुट और चॉकलेट बाटी गई। साथ ही साथ बच्चों से बाते करी गई द्य उनसे जन्मदिन के गीत गवाए गए। बच्चों के चरण में टीम की तरफ से दी हुई चरण पादुकाए पहनाई गई। इस कार्यक्रम मे विक्रम सिंह सिसोदिया, चिक्सा पालवास, मयंक सुहालका, विशाल भोई, अजीत सिंह राठौर, तनिष्का धाकड़, सुदर्शन सिंह, डॉ विष्णु जोशी, डॉ दर्शना मेनारिया, हरिसुदन तिवारी, जितेंद्र मेघवाली, रवीना चौधरी, मोहान्श एवं टीम के बाकी सदस्य भी मौजूद रहे।

18वीं लोकसभा का पहला संसद सत्र कल से, नए सदस्य लेंगे शपथ

9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ लेने के साथ ही 18वीं लोकसभा का कामकाज शुरू हो गया। लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा। यह 3 जुलाई तक चलेगा। 10 दिन में कुल 8 बैठकें (29-30 जून को छुट्टी) होंगी। सबसे पहले प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब राष्ट्रपति भवन जाकर शपथ लेंगे। इसके बाद वे सुबह 11 बजे लोकसभा पहुंचेंगे। शुरुआत के दो दिन, यानी 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा। 27 जून को राज्यसभा का 264वां सत्र शुरू होगा। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा-राज्यसभा के जॉइंट सेशन को संबोधित करेंगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी बोलेंगे। सत्र के आखिरी दो दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सरकार धन्यवाद प्रस्ताव लाएगी और दोनों सदनों में चर्चा होगी। 10 साल बाद पहली बार पीएम मोदी के सामने मजबूत विपक्ष होगा। पिछले हफ्ते NEET परीक्षा में हुई गड़बड़ी, तीन क्रिमिनल लॉ, लोकसभा चुनाव के बाद शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी के आरोपों पर विपक्ष इस बार हंगामा कर सकता है।

बाय-बाय जिंदगी लिख फंदे से लटका ट्रक ड्राइवर:3 महीने पहले हुई लव मैरिज; सफर में मिली थी पत्नी के आत्महत्या की खबर

24 न्यूज अपडेट

पाली. सीकर ट्रक ड्राइवर जीवराज सिंह ने सोनम कंवर ने 3 महीने पहले लव मैरिज की थी। सोनम ससुराल में थी और पति ट्रक लेकर जालोर गया था। शुक्रवार को पति पत्नी के बीच फोन पर कहासुनी हुई। इसके बाद सोनल ने सुसाइड कर लिया। परिवार के सदस्यों ने जीवराज को सूचना दी। उसने सड़क किनारे रोका और एक पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। जीवराज 3 दिन पहले ट्रक लेकर जालोर से ग्रेनाइट लेने गया था।

सोजत थाना इंचार्ज कपूराराम ने बताया- जीवराज सिंह शेखावत (45) सीकर के लक्ष्मणगढ़ उपखंड के नेछवा थाना के नासनवा बड़ा गांव का रहने वाला था। उसकी शादी बचपन में हो गई थी। कुछ समय पहले पहली पत्नी का निधन हो गया था। 3 महीने पहले ही उसने सीकर निवासी सोनम कंवर से लव मैरिज की थी। शुक्रवार को सोनम और जीवराज के बीच फोन पर कहासुनी हो गई। इसके बाद सोनम ने अपने कमरे में पंखे से लटककर जान दे दी। घरवालों ने जीवराज को घटना के बारे में बताया। उस वक्त वह पाली के सोजत थाना इलाके के नागाबेरी गांव से गुजर रहा था। वह जालोर से ट्रक में ग्रेनाइट भरकर लाया था। परिवार वालों ने उसे कई बार फोन किया लेकिन जीवराज फोन नहीं उठा रहा था। तब जीवराज के भाई कृष्ण सिंह को अंदेशा हुआ। शुक्रवार रात 2 बजे सोजत थाने में जीवराज के भाई कृष्ण सिंह ने सूचना दी कि भाभी की मौत की खबर सुन भाई फोन नहीं उठा रहा है। वह गलत कदम उठा सकता है। सोजत पुलिस ने ट्रक की जीपीएस लोकेशन निकाली तो वह नागाबेरी आई। इस पर सोजत थाने से हेड कॉन्स्टेबल मल्लाराम चौधरी टीम को लेकर मौक पर पहुंचे। सड़क किनारे खड़ा ट्रक मिल गया लेकिन जीवराज नहीं था। आसपास सर्च करने पर भी वह नहीं मिला। शनिवार सुबह 6 बजे लोगों ने स्थानीय किसान भंवर सिंह के खेत में पेड़ से शव लटके देखा तो सोजत पुलिस को सूचना दी।

सुसाइड नोट में लिखा- मैं उसके बिना नहीं रह सकता

पुलिस को जीवराज के पास एक सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा था- मेरी सोनू मुझे छोड़कर चली गई। मैं उसके बिना नहीं रह सकता, हम दोनों को साथ में जलाना। हमारी जोड़ी को नजर लग गई। इतने दिन का ही था हमारा साथ। वो गई और आज मैं भी जा रहा हूं उसके पास। मेरे घरवालों को परेशान मत करना। बड़े भाई से कहना है कि मां का ध्यान रखे, इस घर में मत रहना, खेत में रहना, जो पैसा मांगते हैं उनसे माफी मांगता हूं, मैं नहीं दे पाया। बाय-बाय जिंदगी शनिवार दोपहर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। शनिवार को दोनों का साथ में अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों का कहना है कि परिवार के लोग खुश थे। दोनों नव विवाहित हंसी-खुशी से जीवन बिता रहे थे।

20 लाख की क्रेटा चुराकर 40 लाख में बेचता था 12 हजार के डिवाइस से करता था गाड़ी हैक

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. दिल्ली, गुरुग्राम और जयपुर से क्रेटा कार चुराने वाला रामप्रसाद मीणा उर्फ राजवीर (28) तकनीकी रूप से काफी हाईटेक है। चुराने से पहले वह एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कार के जीपीएस और कंपनी द्वारा लगाए गए डिवाइस को हैक कर देता था। इसके बाद पुलिस और मालिक भी कार को ट्रेस नहीं कर पाते थे। वह कार जोधपुर और चित्तौड़गढ़ के तस्करों को सप्लाई करता था। आरोपी फिलहाल जयपुर पुलिस की गिरफ्त में है। उससे पूछताछ की जा रही है।

कार फास्टैग से ट्रेस न हो, इसलिए अपने मोबाइल फोन में गूगल मैप की मदद से अलग रूट सेट किए हुए थे। इसी कारण जीपीएस लगा होने के बावजूद 19 क्रेटा कार दिल्ली, गुरुग्राम, जयपुर से 500 से 700 किलोमीटर दूर तक ले गया और पकड़ा नहीं गया।

सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि आरोपी पुरानी कारों को नई कारों की कीमत से दो से तीन गुना यानी 30 से 40 लाख रुपए में तस्करों को बेचता था। तस्कर क्रेटा की ज्यादा स्पीड और पकड़े जाने पर कार उनकी साबित नहीं होने

के चलते रामप्रसाद को ज्यादा कीमत देते थे। बचने के लिए तस्कर कार पर फर्जी स्थानीय नंबर की प्लेट लगाता था। पुलिस के अनुसार, वाहन चोर रामप्रसाद नवंबर, 2023 में जयपुर सेंट्रल जेल से बाहर आया था। इसके बाद जयपुर से 7 और गुरुग्राम-दिल्ली से 12 क्रेटा चुरा कर जोधपुर, चित्तौड़गढ़, पाली और जालोर में बेची। रामप्रसाद से चुराई गई क्रेटा जोधपुर में उसके सहयोगियों से बरामद की गई।

पैसा कमाने का हाईटेक तरीका

हाईटेक कार चोर रामप्रसाद तीन साल पहले बाइक चुराता था। 7 माह पहले जेल से छूटा। इसके बाद कार चोरी का काम करने लगा। एक डिवाइस से अब तक यह आरोपी 19 कारें चोरी कर चुका है। आरोपी रेडियो रिपीटर से कार की चाबी हैक कर सकता है। यह डिवाइस 12 हजार से 3 लाख रुपए में शॉपिंग वेबसाइट और दिल्ली में मिल जाती है। इस डिवाइस से हर प्रकार की लग्जरी कारों को हैक किया जा सकता हैं। स्टीयरिंग लॉक डिब्बी, जहां से गाड़ियां (इलेक्ट्रॉनिक कॉन्टेंट मैनेजमेंट (ECM) से कनेक्ट होती हैं। डिवाइस को इसी से जोड़ते हैं।

ऐसे हुआ था पूरे मामले का खुलासा

दरअसल, कार चोरी के एक मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही थी। इस दौरान जवाहर सर्किल थानाधिकारी विनोद सांखला को कार चोरी करता हुआ रामप्रसाद दिखाई दिया। इसके बाद प्रताप नगर स्थित एक अपार्टमेंट से उसे गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने कार चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि कैसे वह कारों से लॉक तोड़ दिया करता है। आरोपी कभी चोरी की कार टोल पर लेकर नहीं गया। आरोपी ने गूगल मैप पर टोल के आसपास के गांव के रास्ते सर्च कर रखे थे। वह कार को बिना टोल के निकाल लिया करता था। इसके जरिए ही दिल्ली से चित्तौड़गढ़ और जोधपुर पहुंचता था।

जयपुर में 32 बड़े व्यापारी जुआ खेलते गिरफ्तार:17 लाख रुपए कैश पकड़े गए, बाद में सभी जुआरियों को छोड़ दिया गया

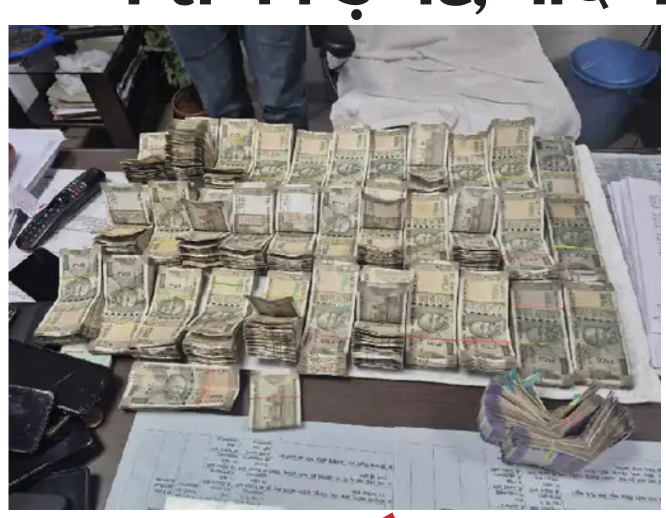

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर के जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने देर रात 32 जुआरियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 17 लाख रुपए कैश बरामद किए गए हैं। ये सभी जुआरी मालवीय नगर सेक्टर 11 में निर्माणाधीन बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर जुआ खेल रहे थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली जिस पर एसीपी मालवीय नगर आदित्य पूनियां, सीआई जवाहर सर्किल विनोद सांखला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सभी जुआरियों को डिटेन कर थाने लेकर आए।

सीआई जवाहर सर्किल विनोद सांखला ने बताया- हमें मुखबिर से रात साढ़े 11 बजे जानकारी मिली थी। इस पर टीम को तैयार कर रेड मारी गई। जवाहर सर्किल थाने की पुलिस के साथ-साथ एसीपी मालवीय नगर की टीम मौजूद थी। 15 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने पूरी बिल्डिंग में सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान पांचवीं मंजिल पर 32 लोग जुआ खेलते हुए मिले। सभी को जवाहर सर्किल थाने लाया गया।

17 लाख रुपए जब्त किए गए

पुलिस को मौके पर 17 लाख रुपए भी मिले। जो 500 और 100 के नोटों की गड्डियों में थे। इनसे जुआ खेला जा रहा था। कार्रवाई के बाद पुलिस ने 17 लाख रुपए जब्त कर लिए हैं।

मुकदमा दर्ज कर छोड़ा

सीआई जवाहर सर्किल विनोद सांखला ने बताया- पूछताछ के बाद सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यह एक जमानती अपराध है। इसलिए थाने से ही इन लोगों को छोड़ दिया गया।

भाटी को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार:लूट के मामले में वांटेड है; अहमदाबाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन से दबोचा

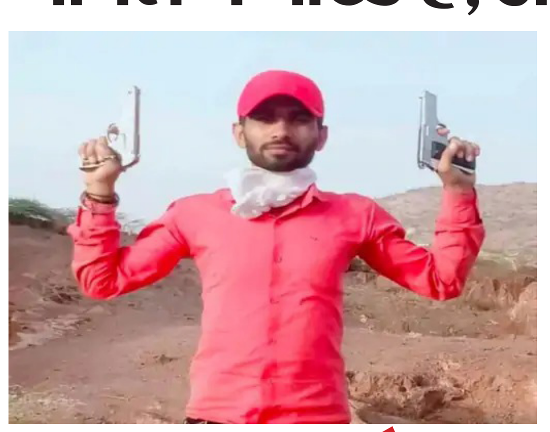

24 न्यूज अपडेट

बाड़मेर. बाड़मेर के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को सोशल मीडिया (एक्स) पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने 15 मई को धमकी भरा वीडियो अपलोड किया था। अहमदाबाद क्राइम पुलिस ने शनिवार को उसे कालुपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। फिलहाल अहमदाबाद पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर महेंद्र शालुंके ने बताया- शनिवार को विधायक को धमकी देने वाले किशनलाल उर्फ केशाराम को कालुपुर रेलवे स्टेशन से पकड़ा है। यह गिड़ा थाने में दर्ज लूट मामले में वांटेड है। गिड़ा पुलिस को सूचना दे दी गई है। आज उनको सुपुर्द कर दिया जाएगा। इसके इंस्टाग्राम आईडी पर हथियारों के साथ फोटो हैं।

आरोपी बालोतरा के गिड़ा थाना इलाके के गांव परेऊ का रहने वाला है। गिड़ा थाने में वह लूट के एक मामले में वांटेड है। पुलिस को उसने बताया कि गिड़ा इलाके में एक बाइक की सीट के नीचे पिस्तौल व कारतूस हैं। इसके बाद अहमदाबाद पुलिस के कहने पर गिड़ा पुलिस ने लोकेशन पर जाकर पिस्तौल-कारतूस बरामद किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी माताजी गोमती देवी के साथ किया वृक्षारोपण- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का प्रदेश में हुआ शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट जयपुर। राज्य में रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने भी अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माताजी श्रीमती गोमती देवी के साथ बेल का पौधा लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ हमारे परम मित्र हैं और हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्षारोपण करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है कि गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया था। उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाते हुए देशवासियों से आग्रह किया था कि वे सभी अपनी माताजी के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं।

कटारिया की मौजूदगी में मंच से धकिया दिए गए संघनिष्ठ वकील साहब को कार्यक्रम के बाद वसुंधरा ने बुलाया- वकील साहब ने उन्हें भेंट की 'गुलाब वाली माला', बोले-वसुंधरा मंच को रजिस्र्डट करवाउंगा, उद्घाटन में दुष्यंतजी को बुलाउंगा

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुरा। 24 न्यूज अपडेट उदयपुर। सुखाड़िया रंगमंच टाउन हॉल पर सुंदरसिंह भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सुंदरसिंह भण्डारी और डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर व्याख्यानमाला में मंच से नीचे धकेल दिए गए जनसंघ के जमाने से पार्टी की सेवा करते आ रहे व वरिष्ठ संघनिष्ठ अधिवक्ता विजयलाल सुहालका को आखिरकार वसुंधरा राजे से मिलने का मौका मिल ही गया। कार्यक्रम के बाद उन्हें वसुंधरा की ओर से बुलाया गया। सुहालका ने बतया कि कटारियाजी ने भी मंच से क्षमा मांगी कि किसी कार्यकर्ता को कुछ कह दिया हो तो क्षमा चाहता हूं। इसलिए अब मेरा गुस्सा भी ठंडा हो गया है। मैं सविना से 50 रूपए की स्पेशल 'गुलाब वाली माला' लेकर आया था जिसे वसुंधराजी को भेंट की। साथ ही ज्ञापन दिया। उन्होंने ज्ञापन में क्या लिखा और मंचपर क्या कुछ हुआ, इस बारे में हमने बात की सुहालकाजी से- .. कटारियाजी मंच पर हाका करते हुए मेरे साथ धक्काधूम कर रहे थे। नहीं-नहीं, अभी नहीं, आप बीच में क्यों आ रहे हो, कहके मुझे धक्का दे रहे थे। बाद में उन्होंने ही मंच से क्षमा मांगी कि किसी कार्यकर्ता को कुछ कह दिया हो तो क्षमा चाहता हूं। वसुंधराजी ने खुद अपने पीए से कहा कि प्रोग्राम खत्म हो और वकील साहब को बुला लो। वे तो मुझे अच्छे से पहचानती हैं। कटारियाजी भी मुझे पहचानते हैं। मैंने उनसे पूछा कि भाई साहब आप मुझे नहीं पहचाते हो क्या, मेरी टांग टूटी हुई है कुछ हो जाता तो क्या हो जाता। मैं एडवोकेट हूं, डरने वाला नहीं हूं। इनकी कुछ मामलों में क्रिटीसाइज की तो ये ऐसा कर रहे हैं। आपको बता दूं, उदयपुर का टिकट प्रमोद सामर को मिल रहा था। ये तो कटारियाजी बीच में आ गए। मैं जनता पार्टी में महासचिव था रजिस्टर्ड, भैरोंसिंहजी से डायरेक्ट बात करता था। 1967 में अटलजी के साथ अखिल भारतीय सम्मेलन का कैंप अटेण्ड किया था। मेरा एक्सीडेंट 16 अक्टूबर को सविना में हो गया था, हिप्स बॉल टूट गई। अमेरिकन हॉस्पिटल में तीन महीने भर्ती रहा। मैं राजस्थान स्टेट शूगर मिल में था। मेरा गुस्सा अब शांत हो चुका है। मैंने गुलाबजी को कहा कि मैं आपके खिलाफ मामला भी दर्ज करवा सकता हूं। एक मिनट का ज्ञापन देना था मुझको तो, वसुंधराजी मुझे पहचानते हैं। बहोत से लोग तो तारीफ कर रहे हैं कि अच्छा किया। कार्यकर्ता कह रहे हैं कि अच्छा किया। जबकि क्रिटिसाइज करने वाले कह रहे हैं कि प्रोटोकॉल नहीं तोड़ना चाहिए था। वे लोग आकर बैठे ही थे कि मैं चला गया, कार्यक्रम शुरू भी नहीं हुआ था। वसुंधराजी मुझे पहचानती हैं वो बुला रही थी। ऐसे में मैं चला गया, मुझे तो एक मिनट में माला उनके हाथ में देकर ज्ञापन देना था उसके बाद वापस लौटना था। मैंने सविना से 50 रूपए में फर्स्ट क्लास गुलाब की माला खरीदी थी वसुंधराजी के लिए। आखिर क्या था ज्ञापन में वसुंधरा मंच को मैं सर्टिफाइड करवाना चाहता हूं। उसका शपथ समारोह बार हॉल में रखना चाहता हूं। थोडा खर्चा करके गेस्ट भी बुलाउंगा। मंच में कई लोग जुडने को तैयार हैं। उस कार्यक्रम में वसुंधराजी के सुपुत्र दुष्यंतजी को बुलाएंगे। इसी को लेकर आज वसुंधराजी से बात हुई, उन्होंने इसके लिए हां कर दी है। वैसे यहां पर वसुंधराजी के साथ आज भी कोल्ड वार चल रहा है। कटारियाजी ने किसको राजनीतिक रूप से नहीं काटा यह बात सबको पता है।

3 साल से जमे डॉक्टरों का होगा ट्रांसफर: निदेशालय को दो बार रिमाइंडर भेजने के बाद मिल पाई सूची

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के एक आदेश ने चिकित्सकों और विभागीय अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। कारण कि निदेशालय ने 20 दिन पहले जिले के उन चिकित्सकों की सूची मांगी है, जो एक ही स्थान पर तीन या इससे अधिक साल से डटे हैं। हालांकि विभाग ने यह सूची तैयार कर भेजने में काफी समय लगा दिया। विभाग को दो बार रिमाइंडर भी भेजना पड़ा।

सूत्रों के मुताबिक जिले के महात्मा गांधी अस्पताल में कुछ डॉक्टर ऐसे हैं। जो राजनीतिक रसूख के चलते ओपीडी या फिर इमरजेंसी ड्यूटी में यदा-कदा ही नजर आते हैं। कमोबेश यही हाल प्रदेश के दूसरे के बड़े सरकारी अस्पतालों के हैं।

इससे चिंतित चिकित्सा मंत्री के आदेश पर प्रदेशभर में ऐसे चिकित्सकों की सूची तैयार की जा रही है, जो कि एक ही स्थान पर तीन साल या इससे भी अधिक समय से एक ही जगह तैनात हैं। चिकित्सक ही नहीं, विभाग में सीएमएचओ और पीएमओ जैसे बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों तक को भी दायरे में लिया जा रहा है।

यह स्थिति बांसवाड़ा की

एमजी अस्पताल व डिस्पेंसरियों में कुल 51 डॉक्टर कार्यरत हैं। जबकि 50 पद रिक्त हैं। जिले के अन्य सरकारी अस्पतालों में 134 डॉक्टर काम कर रहे हैं। वहीं, 76 पद खाली हैं। जिले में 185 डॉक्टर कार्यरत हैं। जबकि 126 पद खाली हैं।

चिकित्सा विभाग भी प्रशासनिक अधिकारियों की तरह नई तबादला नीति लागू कर सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचल के गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

चिकित्सा विभाग के निदेशक ने करीब 20 दिन पहले आदेश जारी कर बांसवाड़ा सहित प्रदेशभर के सीएमएचओ और पीएमओ से सूची मांगी थी। इसके बाद भी मातहत अधिकारियों ने सूची नहीं भेजी तो निदेशालय को रिमांडर भेजना पड़ा, तब जाकर सूचियां प्रेषित की गईं।

80 प्रतिशत डॉक्टर दायरे में

जिले में 80 प्रतिशत डॉक्टर ऐसे हैं, जो 3 साल या इससे अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। सूची भेज दी गई है। डॉ. हीरालाल ताबियार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बांसवाड़ा

"सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी ने 8 सोनोग्राफी सेन्टर व निजी हॉस्पीटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया" पीसीपीएनडीटी एक्ट की सख्ती से पालना करने के निर्देश दिए

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। अध्यक्ष, राज्य समुचित प्राधिकारी (पीसीपीएनडीटी) एवं मिशन निदेशक (एनएचएम) राज. जयपुर के निर्देशानुसार विशेष निरीक्षण अभियान के तहत पीसीपीएनडीटी अधिनियम की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को जिला नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने 08 सोनोग्राफी सेन्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा सदन रोड स्थित डॉ. निधि इमेजिंग एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर, सरकारी हॉस्पीटल के सामने आनन्दा डायग्नोस्टिक, शास्त्री नगर स्थित श्रीमती केसर बाई सोनी हॉस्पीटल, तिलक नगर स्थित श्री सिद्धी विनायक हॉस्पीटल, सीताराम जी की बावड़ी के पास स्थित भारद्वाज अल्ट्रासाउण्ड एण्ड इमेजिंग सेन्टर एवं रामस्नेही चिकित्सालय स्थित 03 सोनोग्राफी सेन्टरो का निरीक्षण कर पीसीपीएनडीटी अधिनियम की सख्ती से पालना करने के लिए पाबंद किया। निरीक्षण के दौरान सोनोग्राफी मशीन पर स्थापित एक्ट्रीव ट्रैकर एवं जी.पी.एस. का निरीक्षण किया गया संस्थान के सोनोग्राफी रजिस्टर व फार्म-एफ की जांच की गई एवं भ्रूण लिंग परीक्षण रोकथाम के लिए टोल फ्री नं. 104 व 108 एवं व्हाट्सएप नं. 9799997795 के प्रचार-प्रसार के बोर्ड का प्रदर्शन पाया गया। सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी ने बताया कि मुखबिर योजना के तहत भ्रूण लिंग परीक्षण की सूचना सत्य पाये जाने पर तीन लाख रूपये तक की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। उन्होंने सभी आमजन, गैर सरकारी संगठनों से अपील की है कि भ्रूण लिंग परीक्षण की सूचना देकर राज्य सरकार की मुखबिर योजना का लाभ उठायें।

डूंगरपुर जिले में टीबी मरीजों में गिरावट, जांच बढ़ी:एक साल में 11 प्रतिशत की कमी, 3 साल में 20 प्रतिशत की गिरावट

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर.डूंगरपुर जिले में साल दर साल टीबी के मरीजों की संख्या में कमी हो रही है। क्षय रोग विभाग की ओर से की गई जांच में तीन साल में 11 से 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। साल 2021 में 25 फीसदी, साल 2022 में 21 फीसदी, साल 2023 में 17 फीसदी और साल 2024 मई तक 6 फीसदी मरीज टीबी से ग्रसित पाए गए हैं।

एचआइवी (एड्स) के बाद दूसरी सबसे ज्यादा खराब बीमारी टीबी को माना जाता है। इसका समय से सही इलाज नहीं हुआ तो यह जानलेवा भी हो जाती है। जानलेवा इस बीमारी को भारत से खत्म करने के लिए सरकार की ओर से चलाए जा रहे प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं। डूंगरपुर क्षय रोग निवारण केंद्र की प्रभारी डॉ करिश्मा पंचाल ने बताया की वित्तीय वर्ष 2019-20 में 4 हजार 208 मरीज टीबी से पीड़ित थे। वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह संख्या घटकर 2 हजार 869 पर आ गई। वहीं इसके बाद हर साल इन आंकड़ों में कमी आती जा रही है। साल 2021-22 में विभाग की ओर से 7 हजार 377 लोगों की टीबी की जांच की गई। जिसमें 1 हजार 869 मरीज टीबी के पाए गए। इसी तरह साल 2022 में 14 हजार 869 जांच की गई। जिसमें 21 फीसदी मरीज टीबी के आए। साल 2023 में 20 हजार 567 जांच की गई। जिसमें से 17 फीसदी मरीज टीबी के निकले।

डॉ. करिश्मा ने बताया कि साल 2024 में अभी तक 24 हजार 798 जांच की गई। जिसमें 6 फीसदी टीबी के मरीज सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा कार्यक्रमों का ही परिणाम है कि इस रोग के मरीजों की संख्या लगातार घट रही है।

टीबी मरीज को मुफ्त इलाज के साथ मिलती है आर्थिक मदद

डॉ. करिश्मा पंचाल ने बताया कि सरकार टीबी मरीज की जांच लेकर पूरा इलाज मुफ्त करती है। वहीं मरीज को पौष्टिक खाने के लिए इलाज चलने तक हर महीने 500 रुपए आर्थिक सहायता भी देती है। अस्पताल में भर्ती होने पर अलग से आने जाने का खर्च भी सरकार की ओर से मिलता है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।